सीएसआईआर बुलेटिन

आईएचबीटी एवं मैसर्ज एचयू गुगले एग्रो बायोटेक कंपनी में करार

सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर ने मैसर्ज एचयू गुगले एग्रोबायोटेक कंपनी जामरवेड जिला अहमदनगर, महाराष्ट्र के साथ ऊतक सवंर्धन तकनीक से तैयार बांस की प्रजातियों (*बौंबू साबाल्कोआ, डेंडरो कैलेमसएस्पर* और *डेंड्रा केलेमसहेमिलटोनाई*), के शूट कल्चर के लिए सामग्री पर हस्तांतरण करार पर हस्ताक्षर किए। इन पौधों को शूट कल्चर विधि द्वारा असली पौधों से तैयार किया जाता है। इन ऊतक सवंर्धन तकनीक से तैयार शूट, मूल पौधे के एक समान होते हैं और इन्हें केवल 3-4 सप्ताह के कम समय में अत्यधिक संख्या में बढ़ाया जा सकता है। यह रोगमुक्त अथवा गुणों से भरपूर हैं।

अब आईएचबीटी करेगी औषधीय पौधों की डीएनए जाँच

सीएसआईआर-हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान, पालमपुर द्वारा पहली बार मेडिसिन प्लांट की डीएनए जांच की जा रही है। इस जांच से पौधों की शुद्धता का सौ फीसदी पता चल पाएगा। इन सभी पौधों की बारकोडिंग होगी। बारकोडिंग कर पौधों का ऐसा लेबल तैयार किया जाएगा, जिससे प्लांट के सभी वंशों के बारे में यह पता चल जाएगा कि औषधीय पौधा कितना शुद्ध है। इस डीएनए से पता चल जाएगा कि पौधा असली या नकली। यह एक बहुत बड़ी उपलब्धि इसलिए मानी जा रही क्योंकि पौधों में कई वंश होते हैं जिसे लोगों को बताकर जनता को ठगा जाता है।

धरती से जान सकेंगे अंतरिक्षयान का जीवन

अरबों रुपये की लागत से तैयार होने वाला अंतरिक्षयान का ईंधन कब तक चलेगा उसका अनुमान लगाना अब तक असंभव था। सीएसआईआर-राष्ट्रीय धातुकर्म प्रयोगशाला, जमशेदपुर ने विशेष प्रकार का यंत्र 'अल्ट्रासाउंड पल्सर-रिसीवर' विकसित किया है। इस यंत्र द्वारा अब धरती के बेस स्टेशन से जान सकेंगे कि अंतरिक्ष में चक्कर लगा रहे यान में कितना ईंधन बचा है। इस तकनीक को विकसित करने का पहला चरण सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।